मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–001

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

सी.बी.के.जी.-001 : भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में काल-चिन्तन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

7×10=70

1. ज्योतिष ग्रन्थों के आधार पर काल का स्वरूप लिखिए।

2. भारतीय तथा पाश्चात्य मतानुसार काल की अवधारणा में अन्तर लिखिए।

3. भारतीय दर्शन में वर्णित काल तत्व की समीक्षा कीजिए।

4. कालगणना में नक्षत्रों का महत्त्व लिखिए।

5. अयन संक्रान्तियों का वर्णन कीजिए।

6. पृथ्वी की अयन-गति का कालगणना में महत्व बताइये।

7. भारतीय मतानुसार सृष्टि-रचना की अवधारणा का उल्लेख कीजिए।

8. चक्रीय तथा एकरैखिक काल से क्या अभिप्राय है ?

9. सेमेटिक मतानुसार काल की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

10. वेदों में उपलब्ध काल-विषयक विमर्श का वर्णन कीजिए।

× × × × ×